Roll No. : ..... Total Pages : 4

2642-R

Second Year Arts (Regular) Examination, 2016

SANSKRIT

Paper – II

(प्राचीन भारतीय संस्कृति, धर्मशास्त्र, व्याकरण, अनुवाद एवं निबन्ध)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(इकाई – I)

(i) गृहस्थ के धर्मों का प्राचीन भारतीय व्यवस्था के अनुसार प्रतिपादन कीजिए।

(ii) पुनर्जन्म एवं अवतारवाद की मान्यताओं पर लेख लिखिए।

(इकाई – II)

(iii) मनुस्मृति के अनुसार धर्म के प्रमाण स्पष्ट कीजिए।

(iv) अभिवादन विधि एवं अभिवादन फल का विवेचन कीजिए।

(इकाई – III)

(v) वाप्यश्वः – इस पद का ससूत्र सन्धिविच्छेद कीजिए।

(vi) ''चिन्त्'' धातु के लोट् लकार का प्रथम पुरुष के रूप लिखिए।

(इकाई – IV)

(vii) ''तुम्हीं माता हो और तुम्हीं पिता हो'' का संस्कृतानुवाद कीजिए।

(viii) ''मैं संस्कृत भाषा पढ़ने की इच्छा करता हूँ'' का संस्कृतानुवाद कीजिए।

(इकाई – V)

(ix) कालिदास पर **दो** वाक्य संस्कृत में लिखिए।

(x) महाविद्यालय पर **दो** वाक्य संस्कृत में लिखिए।

खण्ड-ब

(इकाई – I)

2. वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. प्राचीन संस्कारों की आधुनिक युग में प्रासङ्गिकता सिद्ध कीजिए।

(इकाई – II)

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वेदोऽखिलो धर्ममूलं स्मृतिशीले च तद्विदाम्।
आचारश्चैव साधूनामात्मनस्तुष्टिरेव च।।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

उपाध्यायान्दशाचार्य आचार्याणां शतं पिता।
सहस्रं तु पितॄन् माता गौरवेणातिरिच्यते ।।

(इकाई – III)

6. इको यणचि तथा शश्छोऽटि सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

7. 'अप्' शब्द के सप्तमी विभक्ति का रूप तथा 'चि' धातु के लृट् लकार के मध्यम पुरुष के रूप लिखिए।

(इकाई – IV)

8. यथेच्छ **पाँच** का संस्कृतानुवाद कीजिए :
   (i) गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है।
   (ii) देवताओं में श्रीहरि श्रेष्ठ हैं।
   (iii) गङ्गा हिमालय से बहती है।
   (iv) हे राम! आपको नमस्कार है।
   (v) चेन्नई में इस वर्ष भीषण बारिश हुई।
   (vi) मन्दिर गए हुए मुझे चार दिन हो गए।
   (vii) बच्चों के लिए माँ का दूध सर्वोत्तम आहार है।
   (viii) राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर में स्थित है।
   (ix) मीरा राजस्थान की गौरव है।
   (x) हल्दी घाटी का बलिदान अमर है।

(इकाई – V)

9. यथेच्छ **एक** विषय पर संस्कृत में लेख लिखिए :
   (i) संस्कृतं संस्कृतिश्च।
   (ii) अस्माकं भारत देशः।
   (iii) भगवद्गीता।

खण्ड-स

(इकाई – I)

10. प्राचीन भारतीय राजतन्त्र पर प्रकाश डालिए।

(इकाई – II)

11. संन्यासी के धर्मों पर प्रकाश डालिए।

(इकाई – III)

12. (अ) सोदाहरण सूत्र की व्याख्या कीजिए :

सलां जशोऽन्ते अथवा खरि च

(ब) निर्देशानुसार रूप लिखिए :

'सुधी' शब्द के सम्पूर्ण विभक्तियों में रूप लिखिए।

अथवा

'रुन्ध्' धातु के लट् लकार के रूप लिखिए।

(इकाई – IV)

13. संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

विदिशा नाम की नगरी में शूद्रक नाम का राजा राज्य करता था। वह बहुत धार्मिक था। उसने रामानुज सम्प्रदाय में दीक्षा ली थी। रामानुजाचार्य वैदिक मतों में भक्ति के प्रवर्तक आचार्य हुए। इन से प्रभावित होकर राजा ने बहुत सारे मन्दिर बनवाए।

(इकाई – V)

14. संस्कृत में निबन्ध लिखिए :

मम प्रियः आचार्यः अथवा सदाचारः।